

999

成语典故精选

卷首语

一个个成语典故，一个个历史故事。它蕴含着古人的生命体验，浓缩着时代的风云变幻。忘情于这些历史故事之中，体味一下古人生命的悲怆与优美，感知一下中国历史的曲折与辉煌，不仅可以丰富你的思想，而且可以精练你的语言。陶潜说：“每有会意，便欣然忘食。”斯言极是！读读这些故事，你一定会有同感。



三九系列



爱屋及乌..... (员)
安步当车..... (员)
安乐窝..... (员)
按图索骥..... (员)
暗度陈仓..... (员)
暗箭伤人..... (员)
暗中摸索..... (员)



八叉成韵..... (圆)
八斗之才..... (圆)
八米卢郎..... (圆)
八面威风..... (圆)
八仙过海,各显神通..... (圆)
拔旗易帜..... (圆)
拔山扛鼎..... (圆)
白堕..... (猿)
白简..... (猿)

白龙鱼服..... (猿)
白眉..... (猿)
白面书生..... (猿)
白往黑归..... (猿)
白鱼入舟..... (猿)
百步穿杨..... (源)
百感交集..... (源)
百身何赎..... (源)
班荆道故..... (源)
半部论语治天下..... (源)
半面之交..... (源)
伴食宰相..... (缘)
傍人门户..... (缘)
谤书一筐..... (缘)
包藏祸心..... (缘)
饱以老拳..... (缘)
抱璞别足..... (缘)
抱薪救火..... (缘)
抱柱..... (缘)
豹死留皮..... (远)
杯弓蛇影..... (远)
背城借一..... (远)
背水一战..... (远)
逼上梁山..... (远)
闭门羹..... (远)

- | | |
|--------------------|------------------|
| 脾肉复生..... (远) | 不食周粟..... (夙) |
| 鞭长莫及..... (远) | 不贪为宝..... (夙) |
| 标新立异..... (苑) | 不为五斗米折腰..... (夙) |
| 别开生面..... (苑) | 不学无术..... (夙) |
| 别无长物..... (苑) | 不遗余力..... (夙) |
| 冰人..... (苑) | 不因人热..... (夙) |
| 兵不厌诈..... (苑) | 不越雷池一步..... (夙) |
| 炳烛..... (苑) | 不自量力..... (夙) |
| 病入膏肓..... (苑) | 布帆无恙..... (夙) |
| 伯道无儿..... (愿) | |
| 伯乐一顾..... (愿) | |
| 博士买驴..... (愿) | |
| 卜昼卜夜..... (愿) | |
| 补天浴日..... (愿) | |
| 为逞之徒..... (愿) | |
| 不耻下问..... (愿) | |
| 不得要领..... (愿) | |
| 不寒而栗..... (怨) | |
| 不胫而走..... (怨) | |
| 不可同日而语..... (怨) | |
| 不名一钱..... (怨) | |
| 不弃糟糠..... (怨) | |
| 不入虎穴,焉得虎子..... (怨) | |
| 不识时务..... (怨) | |
| 不识之无..... (夙) | |
| | 沧海横流..... (夙) |
| | 沧海桑田..... (夙) |
| | 沧海遗珠..... (夙) |
| | 草菅人命..... (夙) |
| | 草木皆兵..... (夙) |
| | 差强人意..... (夙) |
| | 豺狼当道..... (夙) |
| | 嫦娥奔月..... (夙) |
| | 唱筹量沙..... (夙) |
| | 车水马龙..... (夙) |
| | 车载斗量..... (夙) |
| | 陈陈相因..... (夙) |



- | | | | |
|-----------|-----|------------|-----|
| 当垆涤器..... | (隳) | 冬日可爱..... | (隳) |
| 刀笔吏..... | (隳) | 董狐直笔..... | (隳) |
| 倒绷孩儿..... | (隳) | 斗胆..... | (隳) |
| 倒屣相迎..... | (隳) | 斗酒只鸡..... | (隳) |
| 盗憎主人..... | (隳) | 斗南一人..... | (隳) |
| 道边苦李..... | (隳) | 独占鳌头..... | (隳) |
| 道不拾遗..... | (隳) | 杜撰..... | (隳) |
| 得过且过..... | (隳) | 对牛弹琴..... | (隳) |
| 得陇望蜀..... | (隳) | 咄咄怪事..... | (隳) |
| 得意忘形..... | (隳) | 堕甑不顾..... | (隳) |
| 德润拥书..... | (隳) | | |
| 登高..... | (隳) | | |
| 登龙门..... | (隳) | | |
| 登坛拜将..... | (隳) | | |
| 等身书..... | (隳) | 阿堵物..... | (隳) |
| 点石成金..... | (隳) | 二竖为虐..... | (隳) |
| 雕虫小技..... | (隳) | 二桃杀三士..... | (隳) |
| 东窗事发..... | (隳) | | |
| 东床胆腹..... | (隳) | | |
| 东道主..... | (隳) | | |
| 东观续史..... | (隳) | | |
| 东山再起..... | (隳) | 伐毛洗髓..... | (隳) |
| 东施效颦..... | (隳) | 发短心长..... | (隳) |
| 东食西宿..... | (隳) | 凡鸟..... | (隳) |
| 东涂西抹..... | (隳) | 反裘负刍..... | (隳) |



- 功人功狗..... (獭)
- 佝偻承蜩..... (獭)
- 篝火狐鸣..... (獭)
- 狗尾续貂..... (獭)
- 鼓盆之戚..... (獭)
- 固若金汤..... (獭)
- 故剑..... (獭)
- 顾名思义..... (獭)
- 顾曲..... (獭)
- 瓜蔓抄..... (獭)
- 瓜田李下..... (獭)
- 刮地皮..... (獭)
- 寡鹄..... (獭)
- 挂冠..... (獭)
- 挂剑..... (獭)
- 挂瓢..... (獭)
- 管鲍之交..... (獭)
- 管中窥豹..... (獭)
- 灌夫骂座..... (獭)
- 广寒宫..... (獭)
- 广武叹..... (獭)
- 归马放牛..... (獭)
- 过河拆桥..... (獭)
- 过庭之训..... (獭)
- 过屠门而大嚼..... (獭)
- 海屋添筹..... (獭)
- 害群之马..... (獭)
- 邯郸学步..... (獭)
- 含哺鼓腹..... (獭)
- 汉书下酒..... (獭)
- 汉阴抱瓮..... (獭)
- 汗牛充栋..... (獭)
- 沆瀣一气..... (獭)
- 濠梁观鱼..... (獭)
- 好好先生..... (獭)
- 郝隆晒书..... (獭)
- 合浦珠还..... (獭)
- 河东狮吼..... (獭)
- 涸辙之鲋..... (獭)
- 鹤立鸡群..... (獭)
- 红娘..... (獭)
- 红叶题诗..... (獭)
- 鸿沟..... (獭)
- 鸿门宴..... (獭)
- 后来居上..... (獭)



- 假途灭虢..... (源)
- 价值连城..... (源)
- 坚壁清野..... (源)
- 兼听则明,偏信则暗..... (源)
- 减灶..... (源)
- 剪发待宾..... (源)
- 见猎心喜..... (源)
- 见异思迁..... (源)
- 渐入佳境..... (源)
- 箭在弦上,不得不发..... (源)
- 江郎才尽..... (源)
- 将欲取之,必先与之..... (源)
- 姜被..... (源)
- 姜太公钓鱼,愿者上钩..... (源)
- 绛帐授徒..... (源)
- 交浅言深..... (源)
- 骄奢淫逸..... (源)
- 胶柱鼓瑟..... (源)
- 蛟龙得水..... (源)
- 焦桐..... (源)
- 蕉鹿梦..... (源)
- 狡兔三窟..... (源)
- 嗟来之食..... (源)
- 结草衔环..... (源)
- 解嘲..... (源)
- 解铃还须系铃人..... (源)
- 解衣推食..... (源)
- 解颐..... (源)
- 解语花..... (源)
- 借寇..... (源)
- 借箸代筹..... (源)
- 巾帼..... (源)
- 金钗十二..... (源)
- 金刚努目..... (源)
- 金谷酒数..... (源)
- 金莲..... (源)
- 金瓯无缺..... (源)
- 金声玉振..... (源)
- 金石为开..... (源)
- 金屋藏娇..... (源)
- 金印如斗..... (源)
- 金玉其外,败絮其中..... (源)
- 金针度人..... (源)
- 锦标..... (源)
- 锦囊妙计..... (源)
- 锦囊诗..... (源)
- 近水楼台先得月..... (源)
- 噤若寒蝉..... (源)
- 荆钗布裙..... (源)
- 荆人涉澠..... (源)



- 惊弓之鸟..... (缘)
- 精卫填海..... (缘)
- 井底之蛙..... (缘)
- 酒池肉林..... (缘)
- 酒囊饭袋..... (缘)
- 酒仙..... (缘)
- 救灾恤邻..... (缘)
- 居安思危..... (缘)
- 居大不易..... (缘)
- 鞠躬尽瘁,死而后已..... (缘)
- 举案齐眉..... (缘)
- 举鼎绝膑..... (缘)
- 举笏击蛇..... (缘)
- 举足轻重..... (缘)
- 拒人于千里之外..... (缘)
- 屣及剑及..... (缘)
- 隽永..... (缘)
- 决一雌雄..... (缘)
- 绝妙好辞..... (缘)
- 绝响..... (缘)
- 绝纒..... (缘)
- 攫金不见人..... (缘)
- 君子固穷..... (缘)
- 开诚布公..... (缘)
- 开卷有益..... (缘)
- 开门揖盗..... (缘)
- 开天辟地..... (缘)
- 糠粃在前,砂砾在后..... (缘)
- 苛政猛于虎..... (缘)
- 柯烂忘归..... (缘)
- 刻鹄类鹜..... (缘)
- 刻画无盐,唐突西子..... (缘)
- 刻舟求剑..... (缘)
- 刻烛赋诗..... (缘)
- 空城计..... (缘)
- 空洞无物..... (缘)
- 空中楼阁..... (缘)
- 孔融让梨..... (缘)
- 孔席墨突..... (缘)
- 孔子梦奠..... (缘)
- 口蜜腹剑..... (缘)
- 扣盘扞烛..... (缘)
- 哭竹生笋..... (缘)
- 夸父逐日..... (缘)

胯下之辱..... (缘)
 辽东白豕..... (通)
 狂奴故态..... (缘)
 辽东鹤..... (通)
 昆池劫灰..... (通)
 聊城射书..... (通)



聊以塞责..... (通)
 邻父之疑..... (通)
 邻妇窥墙..... (通)
 临池学书..... (通)

滥竽充数..... (通)
 麟角凤觚..... (通)

老蚌生珠..... (通)
 流芳百世 遗臭万年..... (通)

老当益壮..... (通)
 流连忘返..... (通)

老马识途..... (通)
 龙虎榜..... (通)

老生常谈..... (通)
 龙阳泣鱼..... (通)

乐不思蜀..... (通)
 卢前王后..... (通)

乐此不疲..... (通)
 鲁男子..... (通)

冷面寒铁..... (通)
 鲁鱼虚虎..... (通)

离群索居..... (通)
 陆海潘江..... (通)

梨园弟子..... (通)
 鹿死谁手..... (通)

黎丘丈人..... (通)
 绿头巾..... (通)

李代桃僵..... (通)
 绿叶成阴..... (通)

厉兵秣马..... (通)
 绿衣使者..... (通)

立地书橱..... (通)
 略识之无..... (通)

莲幕..... (通)
 罗浮梅花..... (通)

廉泉让水..... (通)
 罗含梦鸟..... (通)

梁上君子..... (通)
 罗雀掘鼠..... (通)

两袖清风..... (通)
 洛阳纸贵..... (通)



- 落笔点蝇..... (选)
- 梦得词女..... (选)
- 梦头生角..... (选)
- 靡靡之乐..... (选)
- 米颠拜石..... (选)
- 米珠薪桂..... (选)
- 灭此朝食..... (选)
- 名落孙山..... (选)
- 明察秋毫..... (选)
- 明目张胆..... (选)
- 明日黄花..... (选)
- 明珠暗投..... (选)
- 鸣珂里..... (选)
- 模棱两可..... (选)
- 磨杵作针..... (选)
- 磨穿铁砚..... (选)
- 莫须有..... (选)
- 墨守陈规..... (选)
- 木人石心..... (选)
- 木雁之间..... (选)
- 目不见睫..... (选)
- 目不识丁..... (选)
- 目无全牛..... (选)
- 沐猴而冠..... (选)
- 首蓓盘..... (选)
- 幕里红丝..... (选)
- 马齿徒增..... (选)
- 马革裹尸..... (选)
- 马工枚速..... (选)
- 马首是瞻..... (选)
- 马舞之灾..... (选)
- 买椟还珠..... (选)
- 卖剑(刀)买牛(犊)..... (选)
- 蛮触之争..... (选)
- 满城风雨..... (选)
- 芒刺在背..... (选)
- 盲人摸象..... (选)
- 盲人瞎马..... (选)
- 毛遂自荐..... (选)
- 冒天下之大不韪..... (选)
- 每下愈况..... (选)
- 门可罗雀..... (选)
- 扞虱而谈..... (选)
- 孟母断织..... (选)
- 孟母三迁..... (选)
- 梦笔生花..... (选)



南风不竞 (苑)
 南冠楚囚 (苑)
 南柯一梦 (苑)
 南山铁案 (苑)
 南辕北辙 (苑)
 南州冠冕 (苑)
 难兄难弟 (苑)
 囊萤照读 (苑)
 鸟尽弓藏,兔死狗烹 (苑)
 宁为鸡口,无为牛后 (苑)
 宁为玉碎,不为瓦全 (苑)
 牛眠地 (苑)
 牛山下涕 (苑)
 牛衣对泣 (苑)
 弄獐宰相 (苑)
 怒发冲冠 (苑)
 女娲补天 (苑)



欧冶善铸 (苑)
 鸥鸟忘机 (苑)
 呕心沥血 (苑)



潘郎车满 (苑)
 攀车扣马 (苑)
 攀舆拒轮 (苑)
 攀辕卧辙 (苑)
 盘根错节 (苑)
 抛砖引玉 (苑)
 庖丁解牛 (苑)
 赔了夫人又折兵 (苑)
 鹏程万里 (苑)
 披坚执锐 (苑)
 披裘负薪 (苑)
 皮里阳秋 (苑)
 疲于奔命 (苑)
 贫贱骄人 (苑)

999 成语典故精选

- | | | | |
|------------|-----|----------------|-----|
| 贫女分光..... | (苑) | 契若金兰..... | (苑) |
| 牝牡骊黄..... | (苑) | 千金买骨..... | (苑) |
| 破釜沉舟..... | (苑) | 千里莼羹..... | (苑) |
| 破镜重圆..... | (苑) | 千日醉..... | (苑) |
| 破天荒..... | (苑) | 千头木奴..... | (苑) |
| 剖腹藏珠..... | (苑) | 千万买邻..... | (苑) |
| 蒲鞭示辱..... | (苑) | 前倨后恭..... | (苑) |
| 蒲柳之姿..... | (苑) | 前事不忘,后事之师..... | (苑) |
| 普天同庆..... | (苑) | 钱可通神..... | (苑) |
| | | 黔驴技穷..... | (苑) |
| | | 敲门砖..... | (苑) |
| | | 巧妇难为无米之炊..... | (苑) |
| | | 秦镜..... | (苑) |
| | | 琴挑文君..... | (苑) |
| 七步成诗..... | (苑) | 青白眼..... | (苑) |
| 七擒七纵..... | (苑) | 青囊..... | (苑) |
| 期期艾艾..... | (苑) | 青鸟使者..... | (苑) |
| 齐大非偶..... | (苑) | 青钱万选..... | (苑) |
| 齐东野语..... | (苑) | 青毡旧物..... | (苑) |
| 齐后破坏..... | (苑) | 倾盖..... | (苑) |
| 祁奚之举..... | (苑) | 倾筐倒庋..... | (苑) |
| 奇货可居..... | (苑) | 卿卿我我..... | (苑) |
| 歧路亡羊..... | (苑) | 请君入瓮..... | (苑) |
| 骑鹤上扬州..... | (苑) | 请自隗始..... | (苑) |
| 杞人忧天..... | (苑) | 庆父不死,鲁难未已..... | (苑) |
| 起死回生..... | (苑) | | |



- | | | | |
|-----------|-----|------------|-----|
| 罄竹难书..... | (原) | 燃脐..... | (原) |
| 穷兵黩武..... | (原) | 染指..... | (原) |
| 穷坑难满..... | (原) | 人尽可夫..... | (原) |
| 穷鸟入怀..... | (原) | 人面桃花..... | (原) |
| 茕茕子立..... | (原) | 人琴俱亡..... | (原) |
| 秋风过耳..... | (原) | 人日鸟..... | (原) |
| 秋毫无犯..... | (原) | 人妖..... | (原) |
| 曲突徙薪..... | (原) | 人彘..... | (原) |
| 趋炎附势..... | (原) | 人中骐骥..... | (原) |
| 曲高和寡..... | (原) | 任笔沈诗..... | (原) |
| 曲终奏雅..... | (原) | 日近长安远..... | (原) |
| 取而代之..... | (原) | 日食万钱..... | (原) |
| 去鲁歌..... | (原) | 如皋射雉..... | (原) |
| 去梯言..... | (原) | 如火如荼..... | (原) |
| 去住两难..... | (原) | 如坐针毡..... | (原) |
| 全无心肝..... | (原) | 孺子可教..... | (原) |
| 泉石膏肓..... | (原) | 孺子牛..... | (原) |
| 雀儿参政..... | (原) | 入木三分..... | (原) |
| 雀屏中选..... | (原) | 入室操戈..... | (原) |
| 群策群力..... | (原) | 阮囊羞涩..... | (原) |
| 群英会..... | (原) | 润笔..... | (原) |
| | | 若敖鬼馁..... | (原) |





- | | | | |
|------------|-----|------------------|-----|
| 塞翁失马..... | (怨) | 舌耕..... | (怨) |
| 三刀梦..... | (怨) | 射钩拜相..... | (怨) |
| 三顾茅庐..... | (怨) | 沈约腰瘦..... | (怨) |
| 三箭定天山..... | (怨) | 升堂入室..... | (怨) |
| 三马食一槽..... | (怨) | 生桑之梦..... | (怨) |
| 三人成虎..... | (怨) | 生吞活剥..... | (怨) |
| 三豕涉河..... | (怨) | 盛名之下,其实难副..... | (怨) |
| 三馀读书..... | (怨) | 尸谏..... | (怨) |
| 三语掾..... | (怨) | 尸居馀气..... | (怨) |
| 三字狱..... | (怨) | 尸位素餐..... | (怨) |
| 丧家之狗..... | (怨) | 失之东隅,收之桑榆..... | (怨) |
| 扫除天下..... | (怨) | 十二金牌..... | (怨) |
| 扫眉才子..... | (怨) | 十羊九牧..... | (怨) |
| 杀妻求将..... | (怨) | 什袭而藏..... | (怨) |
| 山公启事..... | (怨) | 石崇奢侈..... | (怨) |
| 山呼万岁..... | (怨) | 石尤风..... | (怨) |
| 山鸡舞镜..... | (怨) | 识时务者为俊杰..... | (怨) |
| 山中宰相..... | (怨) | 拾人牙慧..... | (怨) |
| 扇枕温席..... | (怨) | 食言而肥..... | (怨) |
| 上下其手..... | (怨) | 士别三日,即更刮目相待..... | (怨) |
| 尚少..... | (怨) | 士师三黜..... | (怨) |
| | | 世处桃源..... | (怨) |
| | | 是可忍,孰不可忍..... | (怨) |
| | | 舐犊情深..... | (怨) |
| | | 嗜痂之癖..... | (怨) |

守株待兔..... (怨韵)
 寿桃..... (怨韵)
 书箴..... (怨韵)
 输财助边..... (怨韵)
 蜀犬吠日..... (怨韵)
 束缊请火..... (怨韵)
 束之高阁..... (怨韵)
 树倒猢猻散..... (怨韵)
 漱石枕流..... (怨韵)
 双弓米..... (怨韵)
 双管齐下..... (怨韵)
 水晶灯笼..... (怨韵)
 水中捞月..... (怨韵)
 司空见惯..... (怨韵)
 司马昭之心 路人皆知..... (怨韵)
 死灰复燃..... (怨韵)
 四海为家..... (怨韵)
 四面梦歌..... (仄韵)
 耸膊成山..... (仄韵)
 苏秦刺股..... (仄韵)
 苏武牧羊..... (仄韵)
 隋侯之珠..... (仄韵)
 碎金..... (仄韵)
 孙康映雪..... (仄韵)
 索米长安..... (仄韵)



术常妻..... (仄韵)
 泰山..... (仄韵)
 泰山北斗..... (仄韵)
 谈虎色变..... (仄韵)
 弹冠相庆..... (仄韵)
 叹为观止..... (仄韵)
 探骊得珠..... (仄韵)
 螳臂挡车..... (仄韵)
 螳螂捕蝉,黄雀在后..... (仄韵)
 桃符..... (仄韵)
 桃李不言,下自成蹊..... (仄韵)
 桃李满天下..... (仄韵)
 陶侃运甓..... (仄韵)
 陶朱公..... (仄韵)
 啼笑皆非..... (仄韵)
 天下英雄入吾彀中..... (仄韵)
 天衣无缝..... (仄韵)
 同室操戈..... (仄韵)
 铜臭..... (仄韵)
 铜山西崩,洛钟东应..... (仄韵)